2024

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–3036

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) प्लेटो का जन्म कहाँ हुआ था?

(ख) अरस्तू के अनुसार, अनुकरण का क्या अर्थ है?

(ग) वड्र्सवर्थ ने 'लिरिकल बैलेड्स' की रचना किसकी सहायता से की है?

(घ) 'पेरिइप्सुस' किसकी रचना है?

(ङ) क्रोचे का पूरा नाम क्या है?

(च) कॉलरिज़ का निधन कब हुआ था?

(छ) मूल्य, संप्रेषण एवं अनुभूति का संबंध रिचड्र्स ने किससे जोड़ा है?

(ज) निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत को समझाने के लिए इलियट किस प्रक्रिया के साथ सादृश्यता दर्शाते हैं?

(झ) रिचर्ड्स मूलतः किस प्रकार के आलोचक थे?

(ञ) 'शैली' शब्द मूलतः किस शब्द का हिन्दी-रूपांतरण है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) प्लेटो की किन्हीं दो प्रसिद्ध कृतियों के नाम लिखिए।

(ख) अरस्तु का जन्म कब हुआ था? उनके द्वारा रचित किसी एक कृति का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) कॉलरिज़ के अनुसार प्राथमिक कल्पना क्या है?

(घ) अभिव्यंजनावाद से क्या अभिप्राय है?

(ङ) यथार्थवाद की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) प्लेटो के दैवी-प्रेरणा सिद्धांत का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) उदात्त के प्रमुख स्रोतों का परिचय दीजिए।

(ग) 'मुख्य कल्पना' और 'गौण कल्पना' के कोई पाँच अंतर बताइए।

(घ) टी० एस० इलियट के निर्वैयक्तिकता-सिद्धांत के मूल बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) रिचर्ड्स के संप्रेषण-सिद्धांत पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) स्वच्छंदतावाद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) प्लेटो के काव्य-सत्य-सिद्धांत की विस्तृत चर्चा कीजिए।

अथवा

अरस्तू के अनुकरण-सिद्धांत की अवधारणाओं की सम्यक् व्याख्या कीजिए।

(ख) वड्र्सवर्थ के काव्य-भाषा संबंधी विचारों की आलोचना कीजिए।

अथवा

'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास को कॉलरिज़ की देन' पर एक लेख लिखिए।

(ग) टी० एस० इलियट की परम्परा-संबंधी अवधारणा को स्पष्ट करते हुए वैयक्तिक प्रतिभा के सिद्धांत की आलोचना कीजिए।

अथवा

रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धांत को विश्लेषित कीजिए।

(घ) अरस्तू के विरेचन-सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

अथवा

शैलीविज्ञान को परिभाषित करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

★★★